सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 120 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 6 जून, 2023
मूल्य ₹ 3/-

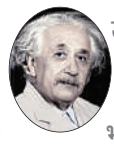

जो छोटी-छोटी बातों में सच को गंभीरता से नहीं लेता है, उस पर बड़े मसलों में भी भरोसा नहीं किया जा सकता।
-अल्बर्ट आइंस्टीन

यूपी कांग्रेस का प्रभार छोड़ेंगी... 2 | रेल और खेल बनेगा चुनावी... 3 | गंगा पर पुल गिरने का मामला... 7

बृजभूषण सिंह पर कसा कानूनी शिकंजा, घर पहुंची दिल्ली पुलिस

» 12 लोगों के बयान दर्ज किए

» कुछ नाम, पते और फोन नंबर भी जुटाए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। देश की महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न का आरोप झेल रहे भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व चीफ और भारतीय जनता पार्टी के सांसद बृजभूषण शरण सिंह पर अब कानूनी शिकंजा कसने लगा है। महिला पहलवानों के आरोपों की जांच कर रही दिल्ली पुलिस और एसआईटी रविवार की रात विश्नोहरपुर पहुंची थी। गोंडा जिले में नवाबगंज थाना अंतर्गत विश्नोहरपुर में यौन शोषण के आरोपी भाजपा सांसद का पैतृक निवास है।

पुलिस ने वहां 12 लोगों के बयान दर्ज किए। दिल्ली पुलिस ने यहां पर बयान दर्ज किए और फोन नंबर समेत अन्य साक्ष्य भी जुटाए। दिल्ली पुलिस की यह कार्रवाई शनिवार रात महिला पहलवानों की केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ हुई मीटिंग के बाद हुई है। वहीं पुलिस अधीक्षक आकाश तोमर ने तो कहा कि यह बड़े स्तर की जांच है, गोंडा पुलिस का इसमें कोई इन्वॉल्वमेंट नहीं है। गांव के एक व्यक्ति ने कहा कि दिल्ली पुलिस ने बयान लिया है।

आपको बता दें कि महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न के मामले में सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर दिल्ली पुलिस ने भारतीय कुश्ती संघ के निवर्तमान अध्यक्ष और बीजेपी सांसद बृजभूषण सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। इसके बाद से दिल्ली पुलिस इस मामले में जांच कर रही है। इस क्रम में दिल्ली पुलिस की एसआईटी रविवार रात बृजभूषण शरण सिंह के गोंडा स्थित पैतृक घर पर पहुंची थी। पुलिस ने यहां 12 लोगों के बयान दर्ज किए। एसआईटी ने इससे पहले इस केस में 125 गवाहों के बयान भी दर्ज किए थे। इसके अलावा पुलिस ने कुछ नाम, पते और फोन नंबर भी जुटाए हैं।

एसआईटी ने किए थे 125 गवाहों के बयान रिकॉर्ड

विवेचना कर रही एसआईटी ने पूर्व में 125 गवाहों के बयान रिकॉर्ड किये थे। सोमवार को यह संख्या 137 पहुंच गई। यौन शोषण मामले की जांच कर रही एसआईटी ने पहले भी गोंडा जिले में लोगों के बयान रिकॉर्ड किये हैं। एसआईटी देश के साथ ही विदेशों में कुश्ती प्रतियोगिता के दौरान लगे आरोपों की जांच कर रही है। हालांकि, पुलिस विभाग के अधिकारी इस मामले में कुछ भी कहने से बच रहे हैं।

देश के साथ ही विदेशों में कुश्ती प्रतियोगिता के दौरान लगे आरोपों की एसआईटी कर रही है जांच

9 जून को जंतर मंतर पर आंदोलन नहीं करेंगे किसान

भारतीय किसान यूनियन के नेताओं ने पहलवानों के समर्थन में 9 जून को जंतर मंतर पर आयोजित किया जाने वाला कार्यक्रम रद्द कर दिया है। किसान नेता राकेश टिकैत के मुताबिक, अभी इनकी बातचीत सरकार से और गृहमंत्री से चल रही है। इनके कहने पर हमने 9 जून को जंतर-मंतर पर होने वाला प्रदर्शन स्थगित कर दिया है। पहलवान आने वाले दिनों में आगे जो तारीख देंगे हम उसमें उनका समर्थन जरूर करेंगे।

मुख्तार के बेटे अब्बास की याचिका पर सुप्रीम सुनवाई

» मुकदमा रद्द करने की मांग, हाईकोर्ट कर चुका है खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में आज मंगलवार (6 जून) को सुनवाई होनी है। अब्बास ने जमीन हथियाने के मामले में अपने खिलाफ दर्ज मुकदमा रद्द करने की मांग की है। इससे पहले इलाहाबाद हाई कोर्ट ने इससे मना कर दिया था।

लखनऊ की जियामऊ में जमीन अवैध तरीके से हथियाने से जुड़े इसी मामले में मुख्तार के दूसरे बेटे उमर अंसारी को अग्रिम जमानत देने से सुप्रीम कोर्ट 19 मई को मना कर चुका है।

जमीन कब्जाने का आरोप

साल 2020 में उमर अंसारी और अब्बास अंसारी के खिलाफ लखनऊ के जियामऊ में जबरन जमीन कब्जाने के मामले में हजरतगंज थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई थी। आरोप है कि दोनों ने फर्जी दस्तावेज के जरिए जमीन पर कब्जा किया, फिर नगर निगम से हरी झंडी ले ली।

रेल हादसे की जांच करने पहुंची सीबीआई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भुवनेश्वर। ओडिशा के बालासोर में हुए रेल हादसे की जांच करने के लिए सीबीआई मौके पर पहुंच गई है। दो जून को हुए बालासोर रेल हादसे में अब तक 278 लोगों की मौत हो चुकी है। पूरे देश को हिलाकर रख देने वाले इस हादसे की जांच सीबीआई को दी गई है।

जांच करने पहुंची सीबीआई अब इस बात का पता लगाने में जुट गई है कि आखिरकार तीन ट्रेनों के आपस में टकराव की वजह किसी तरह की साजिश थी या कि महज एक हादसा, जिसमें कि इतने बेगुनाहों की जान चली गई।

रेलवे की जांच में पटरियों से छेड़छाड़ की बात

बालासोर रेल हादसे की शुरुआती विभागीय जांच में रेलवे की ओर से पटरियों और इंटरलाकिंग से छेड़छाड़ की बात सामने आई है। इसी के बाद रेलवे ने मांग करते हुए मामले की सीबीआई जांच कराने की मांग की थी। रेलवे अधिकारियों ने इस बात को लेकर दावा किया था कि पटरियों के बीच जो इंटरलाकिंग सिस्टम होता है यकीनन उससे छेड़छाड़ की गई थी, जिसकी वजह से इतना बड़े हादसे में तीन ट्रेनों की टक्कर हो गई।

अखिलेश से मिलेंगे केजरीवाल

» केंद्र के अध्यादेश के खिलाफ मांगेंगे समर्थन
» कल लखनऊ में होगी मुलाकात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के अध्यादेश के खिलाफ विपक्ष को एकजुट करने में जुटे दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल बुधवार को लखनऊ में सपा प्रमुख अखिलेश यादव से मुलाकात करेंगे। दरअसल, दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार और उपराज्यपाल वीके सक्सेना के बीच गतिरोध थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा मामला प्रशासनिक अधिकारियों की ट्रांसफर-पोस्टिंग के अधिकार से जुड़ा है।

दिल्ली सरकार की शक्तियों को लेकर आम आदमी पार्टी के पक्ष में आए सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ केंद्र सरकार ने अध्यादेश जारी कर दिया। इससे ताजा गतिरोध पैदा हो गया है। इसे लेकर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल विपक्षी दलों के नेताओं से मुलाकात कर केंद्र सरकार को घेरने में जुटे हुए हैं। इसी कड़ी में वह कल यानी बुधवार को उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के सुप्रीमो अखिलेश यादव से मिलेंगे। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष की यह मुलाकात लखनऊ में होगी। बता दें कि आम आदमी पार्टी की योजना है कि विपक्षी दलों का समर्थन हासिल कर इस बिल को राज्यसभा में पास नहीं होने दिया जाए। अध्यादेश के खिलाफ समर्थन के लिए इससे पहले सीएम केजरीवाल पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे, एनसीपी चीफ शरद पवार और सीपीआइ(एम) महासचिव सीताराम येचुरी, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिल चुके हैं।

मुख्यमंत्री योगी को जन्मदिन की दी बधाई

सपा के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी ट्वीट कर योगी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का 5 जून को जन्मदिन था। उनके अलावा बसपा प्रमुख मायावती,प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित केंद्रीय मंत्रियों और भाजपा के पदाधिकारियों ने शुभकामनाएं दी हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मुख्यमंत्री को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि योगी पूरे मनोयोग एवं समर्पण के साथ उत्तर प्रदेश को एक विकसित राज्य बनाने के लिए काम कर रहे हैं। राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने भी मुख्यमंत्री योगी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने भी योगी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं।

सिसोदिया को एचसी से नहीं मिली अंतरिम जमानत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

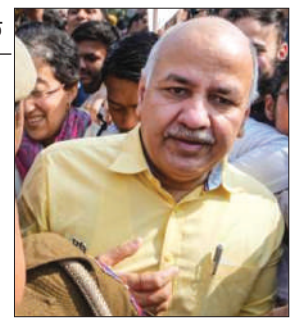

नई दिल्ली। दिल्ली शराब घोटाला मामले में सोमवार को पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। हाईकोर्ट ने मनीष सिसोदिया को अंतरिम जमानत देने से इनकार कर दिया है। बीती तीन जून को हुई सुनवाई के दौरान कोर्ट में जज दिनेश कुमार शर्मा ने जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया था। जिसको लेकर आज सुनवाई हुई है। वहीं दूसरी तरफ कोर्ट ने सिसोदिया को राहत देते हुए बीमार पत्नी से मिलने की मंजूरी दे दी है। कोर्ट ने कहा कि मनीष सिसोदिया हॉस्पिटल या फिर घर दोनों ही जगहों पर जाने की इजाजत है। वह सुबह दस बजे से शाम पांच बजे तक घर या हॉस्पिटल जा सकते हैं।

कोर्ट ने कहा कि इस अवधि के दौरान याचिकाकर्ता अपने परिवार के सदस्यों को छोड़कर किसी और के साथ बातचीत नहीं करेगा। साथ ही मोबाइल नहीं दिया जाएगा। मीडिया से दूर रखा जाए। आदेश में कहा है कि दिल्ली पुलिस को यह सुनिश्चित करने का निर्देश है कि सिसोदिया जहां अपनी पत्नी से मिलने जाते हैं वहां मीडिया का जमावड़ा नहीं हो। वह मोबाइल फोन या इंटरनेट का इस्तेमाल नहीं सकते हैं।

भाजपा सांसद अपने गिरेबां में झांकें : सालेह मोहम्मद

» सुखबीर अपने क्षेत्र में अब तक नहीं ला सके रेल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

टोंक। राजस्थान के टोंक में जिला प्रभारी मंत्री सालेह मोहम्मद ने सांसद सुखबीर सिंह को आड़े हाथ लिया। इस दौरान उन्होंने सांसद की ओर से सचिन पायलट को लेकर की जा रही भविष्यवाणियों को लेकर पलटवार किया। सालेह मोहम्मद ने तीखा हमला बोलते हुए कहा कि सांसद साहब पहले खुद तो टोंक की भविष्यवाणी तो कर लो।

टोंक में क्या हो रहा है। सालेह मोहम्मद ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा कि सांसद सुखबीर सिंह अपने संसदीय क्षेत्र के लिए क्या किया, जो वह दूसरों पर उंगली उठाते हैं। उन्होंने सांसद पर हमला करते हुए कहा कि केंद्र में भाजपा की सरकार होने के बाद भी अभी तक सांसद टोंक में रेल नहीं ला पाए हैं। सालेह मोहम्मद ने कहा कि

बीजेपी के नेता बड़ी बड़ी बाते करते रहते हैं। लेकिन बुनियादी तौर कुछ नहीं करते हैं। उन्होंने कहा कि सांसद सुखबीर सिंह को इस विषय पर अपना स्पष्टीकरण देना चाहिए कि वो टोंक में रेल विकास क्यों नहीं कर पाए। जबकि वो कह रहे थे कि वो खुद टोंक में रेल लाने के लिए अपनी जेब से 5 करोड़ रुपए देंगे। गहलोत सरकार के अल्पसंख्यक मामलात मंत्री सालेह मोहम्मद ने कहा कि राजस्थान में क्या हो रहा है। ये पूरा देश देख रहा है। यहां सरकार ने कितनी सारी योजनाएं लागू कर दी।

तीन हिस्सों में बंट गई है भाजपा: जयवर्धन

» बोले- दीपक जोशी के बाद कांग्रेस में आएंगे कई बड़े नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंदौर। कांग्रेस नेता जयवर्धन सिंह ने कहा कि भाजपा तीन हिस्सों में बंट गई है। पहली शिवराज भाजपा, दूसरी महाराज भाजपा और तीसरी नाराज भाजपा। जयवर्धन सिंह कांग्रेस की सरकार में पूर्व नगरीय विकास एवं आवास मंत्री रह चुके हैं। वे पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजयसिंह के बेटे हैं और चुनाव के चलते इंदौर-उज्जैन की जिम्मेदारी उन्हें दी गई है। वे रविवार देर रात इंदौर में थे।

उनके इस बयान पर भाजपा ने पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस तो कबीलों और दरबारियों में बंटी हुई पार्टी है। जयवर्धन ने आगे कहा कि दीपक जोशी के बाद कई बड़े भाजपा नेता हमारे साथ आने वाले हैं। उनके कांग्रेस में आने से केवल देवास जिले में ही नहीं पूरे

मालवा में एक संदेश गया है। उनकी अपने समाज में ही नहीं मतदाताओं के बीच भी अलग पहचान है। भाजपा के कई नेता कांग्रेस के संपर्क में हैं। जयवर्धन को इंदौर और उज्जैन का प्रभारी बनाया गया है। रविवार देर रात सिंह ने कहा कि मैं जल्द ही इंदौर और उज्जैन की हर विधानसभा में एक दिन रहकर योजना तैयार करूंगा। वे 10 जून से 30 जून के बीच इंदौर और उज्जैन में अलग-अलग बैठकें लेंगे।

कांग्रेस में इतने दल जयवर्धन गिन भी नहीं पाएंगे : भाजपा

वहीं जयवर्धन सिंह के बयान पर भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता नरेंद्र सलूजा ने कहा कि भाजपा में सिर्फ संगठन सर्वोपरि होता है लेकिन कांग्रेस के अंदर कितने दल हैं जयवर्धन सिंह अगर गिनना भी चाहेंगे तो गिन नहीं पाएंगे।

राजस्थान में मोदी के चेहरे पर लड़ेंगे चुनाव : शेखावत

केंद्रीय मंत्री एवं राजस्थान के जोधपुर से लोकसभा सांसद गजेंद्र सिंह शेखावत ने राजस्थान में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर पार्टी की रणनीति के बारे में चर्चा करते हुए यह दावा किया कि भाजपा अपने सबसे लोकप्रिय चेहरे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सामने रखकर राजस्थान में चुनाव लड़ेगी और चुनाव के बाद मुख्यमंत्री कौन बनेगा, यह पार्टी का संसदीय बोर्ड तय करेगा। केंद्रीय मंत्री ने आईएएनएस के साथ खास बातचीत में राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के साथ चल रही अपनी लड़ाई, भाजपा के अंदर मची गुटबाजी और वसुंधरा राजे सिंधिया के साथ अपनी राजनीतिक प्रतिस्पर्धा सहित राज्य की राजनीति से जुड़े तमाम पहलुओं पर खुलकर और पूरी बेबाकी से अपनी बात रखी।

यूपी कांग्रेस का प्रभार छोड़ेंगी प्रियंका

» रावत-अनवर को मिल सकती है जिम्मेदारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस उत्तर प्रदेश में बड़े बदलाव की तैयारी में है। लोकसभा चुनाव-2024 से पहले कई राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। अन्य राज्यों में अपनी व्यस्तता के चलते पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका वाड्रा उत्तर प्रदेश में समय नहीं दे पा रही उसी को देखते हुए वह यहां की प्रभारी होने का दायित्व जल्द छोड़ेंगी।

इसी माह उत्तर प्रदेश का नया प्रभारी नियुक्त हो सकता है। नए प्रदेश प्रभारी के तौर पर उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत व वरिष्ठ कांग्रेसी नेता तारिक अनवर के नाम चर्चा में हैं। सूत्रों का कहना है कि केंद्रीय संगठन कुछ अन्य नामों पर भी चर्चा कर रहा है। पार्टी हरीश रावत के माध्यम से कांग्रेस लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में पहाड़ी समाज के वोट बैंक में सेंध लगाने का प्रयास कर सकती है। वहीं पार्टी अनुभवी नेता तारिक अनवर के माध्यम से मुस्लिम मतों को हथियाने का दांव भी खेल सकती है।लोकसभा चुनाव से पहले उत्तर प्रदेश में नये प्रभारी की तैनाती महत्वपूर्ण होगी। वहीं प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी का भी लोकसभा चुनाव तक बने रहना तय माना जा रहा है। दरअसल, निकाय चुनाव के दौरान कांग्रेस में अंतरकलह सामने आई थी। बीते दिनों प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी ने कई जिलों में कार्यवाहक जिलाध्यक्ष नियुक्ति किए थे। इनमें झांसी व जौनपुर के जिलाध्यक्षों की नियुक्ति निरस्त कर दी गई थी। इसे लेकर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव केसी वेणुगोपाल की ओर से जारी पत्र सामने आया था। बड़ों के बीच

खींचतान फिर सामने आई थी। जिसके बाद प्रदेश अध्यक्ष खाबरी को दिल्ली बुला लिया गया था। वह तीन दिन दिल्ली में रहे और राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, वेणुगोपाल व अन्य वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की। संकेत यही हैं कि खाबरी प्रदेश अध्यक्ष के पद पर बने रहेंगे। जल्द ही नई प्रदेश कार्यकारिणी का गठन भी होना है।

राहुल गांधी के विदेश से आने के बाद निर्णय

कांग्रेस ने प्रदेश में पिछला विधानसभा चुनाव प्रियंका वाड्रा की अगुवाई में लड़ा था। हालांकि अपना जनाधार बचाए रखने के लिए कांग्रेस कुछ खास नहीं कर सकी थी। अब आने वाले दिनों में प्रियंका वाड्रा की दूसरे राज्यों में व्यस्तता को देखते हुए पार्टी उत्तर प्रदेश में नए प्रभारी की तैनाती को लेकर मंथन अंतिम चरण में है। पार्टी के एक वरिष्ठ पदाधिकारी का कहना है कि पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के विदेश से आने के बाद कई निर्णयों पर अंतिम मुहर लगेगी।

रेल और खेल बनेगा चुनावी मुद्दा!

रेल हादसे पर गरमाएगी सियासत, गूंजेगी बजृभूषण-पहलवानों की लड़ाई, भाजपा सरकार को घेरेगी कांग्रेस-विपक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पहलवानों के प्रदर्शन व रेल हादसे को लेकर जिस प्रकार से विपक्ष भाजपा की मोदी सरकार पर हमलावर है उससे ऐसा लगता है आने वाले 2024 में लोक सभा चुनाव में भाजपा को तगड़ा झटका लग सकता हैं। इसी के मद्देनजर उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने दावा किया है कि 2024 में भाजपा का देश से सफाया हो जाएगा। उधर अमरिका दौरे पर गए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि आने वाले विधानसभों चुनाव में भाजपा को जनता हरा देगी। उन्होनें कहा कि आगामी लोक सभा चुनाव के नतीजें भी पूरी तरह से चौंकानेवाले आएंगे। राजनीतिक विश्लेषको की भी माने तो बृजभूषण-पहलवानों की लड़ाई जहां भाजपा को नुकसान पहुंचा सकती है वहीं रेल हादसे को लेकर भी राजनितिक दलों के निशाने पर मोदी सरकार आ गई है।

भाजपा की उल्टी गिनती शुरू: अखिलेश यादव

सपा प्रमुख अखिलेश यादव लखीमपुर खीरी के दौरे पर थे। 2024 चुनाव को लेकर राजनीति तेज होती दिखाई दे रही है। एक ओर जहां विपक्षी दल एक मजबूत गठबंधन की कवायद में जुटे हैं तो वहीं भाजपा लगातार सरकार के कामकाज लोगों तक पहुंचा रही है और मोदी सरकार की उपलब्धियां बता रही। इन सब के बीच उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने दावा किया है कि 2024 में भाजपा का देश से सफाया हो जाएगा। सपा प्रमुख अखिलेश यादव लखीमपुर खीरी के दौरे पर थे। अखिलेश यादव ने कहा कि यह जो ट्रिपल इंजन का सपना दिखा रहे थे, वह ट्रिपल इंजन भिड़ गए। उन्होंने दावा किया कि इनके (भाजपा) सांसद पुलिस को पीट रहे हैं। सरकार अपराधियों को बचा रही है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि 2024 में भाजपा का उत्तर प्रदेश और देश दोनों से सफाया हो जाएगा। अखिलेश यादव ने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा भेदभाव करती है, भाजपा के नेता चाहे जितनी गुण्डई, बदमाशी करें उन पर कार्रवाई नहीं होती है। भाजपा सरकार में उनकी पार्टी के लोगों के सौ खून माफ हैं, वहीं गरीब, पिछड़ा, मुसलमान और समाजवादी लोगों पर बुल्डोजर चलाया जाता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधते हुए अखिलेश ने कहा कि मुख्यमंत्री जी को साड़ी के कारोबार और बुनकर भाइयों की समस्या के समाधान से कोई लेना देना नहीं है। उन्हें बस नर्सरी याद आती है और अपने आप को भूल जाते हैं कि उन पर कौन-कौन से मुकदमे थे। उन्होंने कहा कि बीजेपी की पूरी सरकार बेटी बचाओ और बेटी पढ़ाओ की बात करते थे। आज जब पहलवान बेटियां धरने पर बैठी है तो इनका नारा कहां है? इनका नारा केवल इसलिए था कि नारियों, बेटियों से वोट मिल जाए।

विपक्ष जानबूझ कर फैला रहा विवाद : अनुराग ठाकुर

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने इस रेल दुर्घटना को लेकर विपक्ष के आरोपों का जवाब दिया है। उन्होंने कहा, दुर्घटना स्थल पर रेल मंत्री भी गए, प्रधानमंत्री भी गए। केंद्र के सभी बड़े नेता वहां गए। बातचीत करके बचाव कार्य में तेज़ी लाई गई। राहुल जी ने अपने आप को इस श्रेणी में लाकर खड़ा कर दिया है कि जब चीन की सेना ने अतिक्रमण करने का प्रयास किया तब आप (राहुल गांधी) चीन के अधिकारियों के साथ गुप्त बैठक कर रहे थे। आपने आज तक उसका जवाब नहीं दिया है।

हमारी जिम्मेदारी अभी खत्म नहीं हुई : वैष्णव

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव हादसे के बारे में बोलते हुए भावुक हो गए और कहा कि हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि लापता लोगों के परिवार के सदस्य उन्हें जल्द से जल्द ढूंढ सकें। हमारी जिम्मेदारी अभी खत्म नहीं हुई है। उधर ओडिशा के मुख्य सचिव पी के जेना ने कहा कि उनकी सरकार का बालासोर रेल हादसे में हुई मौतों को छिपाने का कोई इरादा नहीं है और समूचा बचाव अभियान सार्वजनिक तौर पर चलाया जा रहा है। दुर्घटना पर सीबीआई जांच की सिफारिश को लेकर केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि जांच एजेंसी इसमें अपना काम करेगी। घटना की गंभीरता को देखते हुए सीबीआई जांच का कदम उठाया गया है। यह राजनीति करने का समय नहीं है।

रेलवे को सिर्फ बेचने के लिए छोड़ दिसा

ममता बनर्जी ममता बनर्जी ने रेल मंत्री पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मेरे साथ रेल मंत्री और धर्मेंद्र प्रधान दोनों खड़े थे लेकिन मैंने कुछ नहीं कहा, मैं बहुत कुछ कह सकती थी क्योंकि मैं खुद रेल मंत्री रही हूं,कोरोमंडल एक्सप्रेस और बेंगलुरु-हावड़ा एक्सप्रेस में एंटी कोलिशन डिवाइस क्यों नहीं था? रेलवे को सिर्फ बेचने के लिए छोड़ दिया है। ममता यहीं नहीं रुकीं, उन्होंने कहा कि मेरे पास एक मैसेज आया जिसमें एक बड़ी लिस्ट थी कि नीतीश, लालू और मेरे समय में कितने लोग मारे गए? क्या कभी इन लोगों ने सोचा कि मैंने अपने समय में रेलवे को कितना आधुनिक किया। सारी जानकारी गलत है...मैं पूछती हूं कि गोधरा में कितने लोग मारे गए थे? वहीं केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने रेल हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने कहा कि यह बहुत गंभीर और दुखद घटना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मृतकों और घायलों के लिए मुआवजे का ऐलान किया है और रेलवे मंत्री ने जांच के आदेश भी दिए हैं। ऐसी घटना नहीं होनी चाहिए थी। दोषियों पर कार्रवाई ज़रूर होगी।

बस खाली खबरों में बने रहना चाहते हैं पीएम: खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखा है। इस पत्र में खरगे ने कई गंभीर सवाल उठाए हैं। मोदी को लिखे पत्र में लिखा कि रेलवे को बुनियादी तौर पर मजबूत करने के बजाय खबरों में बने रहने के लिए ऊपरी तौर पर ही बदलाव किए जा रहे हैं। खरगे ने आरोप लगाया कि लगातार गलत फैसलों की वजह से रेल का सफर असुरक्षित बन गया है। खरगे ने आरोप लगाया कि रेलवे में तीन लाख पद खाली हैं। पूर्वी तट रेलवे में, जहां ये हादसा हुआ, वहां भी 8278 पद खाली हैं। खरगे ने दावा किया कि कई वरिष्ठ पदों पर भी तैनाती नहीं हुई हैं। खरगे ने सवाल किया कि बीते नौ सालों में इन रिक्तियों को क्यों नहीं भरा गया?खरगे ने पत्र में लिखा कि रेलवे बोर्ड खुद इस बात को स्वीकार कर चुका है कि लोको पायलट्स पर काम का दबाव ज्यादा है क्योंकि कर्मचारियों की कमी की वजह से उन्हें कई घंटे अतिरिक्त काम करना पड़ता है। खरगे ने कहा कि लोको पायलट रेल सुरक्षा के लिए अहम होते हैं, ऐसे में उनकी रिक्तियां क्यों नहीं भरी जा रहीं? कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया कि 8 फरवरी 2023 को मैसूर में हुए हादसे के बाद साउथ वेस्ट जोनल रेलवे के संचालन अधिकारी ने रेलवे के सिग्नल सिस्टम को दुरुस्त करने की जरूरत बताई थी लेकिन उस चेतावनी को रेल मंत्रालय ने क्यों दरकिनार किया? पीएम मोदी को लिखे पत्र में कांग्रेस नेता ने लिखा कि कमीशन ऑफ रेलवे सेफ्टी की सलाह को रेलवे बोर्ड ने दरकिनार किया। जांच में पता चला है कि 8-10 प्रतिशत रेल हादसों की ही कमीशन ऑफ रेलवे सेफ्टी द्वारा जांच की गई है। खरगे ने पूछा कि सीआरएस को मजबूत और स्वायत बनाने की दिशा में कदम क्यों नहीं उठाए गए?

बृजभूषण सिंह का मामला भी पहुंचाएगा नुकसान

यौन शोषण के आरोपों का सामना कर रहे भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के निवर्तमान अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी को लेकर प्रदर्शन कर रहे पहलवानों से केंद्रीय मंत्री अमित शाह से शनिवार को मुलाकात की है। ये मुलाकात करीब डेढ़ घंटे चली। दिल्ली पुलिस ने भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ दो प्राथमिकी दर्ज की हैं जिनमें एक प्राथमिकी नाबालिग पहलवान के आरोपों के आधार पर पॉक्सो (यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण) अधिनियम के तहत दर्ज की गई है। पहलवानों ने बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ निष्पक्ष जांच और त्वरित कार्रवाई की मांग की, जिन पर एक नाबालिग सहित सात महिला पहलवानों ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया हैं। अमित शाह ने पहलवानों को भरोसा दिलाया कि कानून सबके लिए समान है, कानून को अपना काम करने दें।

राहुल गांधी ने मांगा रेल मंत्री का इस्तीफा

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने ओडिशा के बालासोर में हुए हादसे को लेकर रेल मंत्री का इस्तीफा मांगा है। उन्होंने रविवार को एक ट्वीट में कहा, 270+ मौतों के बाद भी कोई जवाबदेही नहीं! मोदी सरकार इतनी दर्दनाक दुर्घटना की ज़िम्मेदारी लेने से भाग नहीं सकती। प्रधानमंत्री को फ़ौरन रेल मंत्री का इस्तीफा लेना चाहिए!

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

पहलवानों का स्वागत योग्य फैसला

सत्याग्रह के साथ साथ रेलवे में अपनी जिम्मेदारी को साथ निभा रही हूं। इंसाफ मिलने तक हमारी लड़ाई जारी है। कृपया कोई गलत खबर ना चलाई जाए। साक्षी मलिक के पति और पहलवान सत्यव्रत कादियान ने आंदोलन से हटने की खबरों पर कहा कि हमारे निर्णय को प्रभावित करने के लिए इस तरह की चीजे चलाई जा रही हैं। हम विरोध से पीछे नहीं हटे हैं।हमारा विरोध जारी रहेगा। हमारे साथ जंतर-मंतर पर जो भी हुआ, उसके बाद हम वापस आ गए।

प्रदर्शन करने वाले पहलवानों ने नौकरी पर लौटने का फैसला किया है। ये एक स्वागत योग्य फैसला है। हालांकि खिलाड़ियों ने कहा है वे काम पर लौट रहे हैं क्योंकि ये उनका उस संस्थान के प्रति कर्तव्य है। पर उन्होंने कहा कि वे आंदोलन से पीछे नहीं हटेंगे और जब तक न्याय नही मिल जाता है तब तकप्रदर्शन करते रहेंगे। भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ प्रदर्शन में शामिल रेसलर साक्षी मलिक, बजरंग पूनिया और विनेश फोगाट नौकरी पर लौट आए हैं। तीनों रेलवे में नौकरी करते हैं। रेलवे पब्लिक रिलेशन के डायरेक्टर जनरल योगेश बवेजा ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि तीनों ने आज ड्यूटी जॉइन कर ली है।

हालांकि इन खिलाड़ियों ने जैसे ही नौकरी वापसी बात की खबरे चलाई जाने लगीं कि पहलवान पीछे हट गए तो तुरंत साक्षी और पूनिया ने आंदोलन से हटने की खबरों को गलत बताया। साक्षी मलिक ने कहा, ये खबर बिलकुल ग़लत है। इंसाफ़ की लड़ाई में ना हम में से कोई पीछे हटा है, ना हटेगा। सत्याग्रह के साथ साथ रेलवे में अपनी ज़िम्मेदारी को साथ निभा रही हूं। इंसाफ़ मिलने तक हमारी लड़ाई जारी है। कृपया कोई ग़लत खबर ना चलाई जाए। साक्षी मलिक के पति और पहलवान सत्यव्रत कादियान ने आंदोलन से हटने की खबरों पर कहा कि हमारे निर्णय को प्रभावित करने के लिए इस तरह की चीजे चलाई जा रही हैं। हम विरोध से पीछे नहीं हटे हैं। हमारा विरोध जारी रहेगा। हमारे साथ जंतर-मंतर पर जो भी हुआ, उसके बाद हम वापस आ गए। हम आंदोलन दोबारा शुरू करेंगे। दिल्ली पुलिस ने जो हमारे साथ किया है, वह पूरे देश ने देखा है। सभी उसके खिलाफ हैं। बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ 21 अप्रैल को सात महिला पहलवानों ने दिल्ली के कनॉट प्लेस थाने में यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके बाद पुलिस ने 28 अप्रैल को बृजभूषण के खिलाफ दो मामले दर्ज किए। इनमें पॉक्सो एक्ट के तहत दर्ज मामला भी शामिल है, जिसे नाबालिग द्वारा लगाए गए आरोप पर दर्ज किया गया। वहीं, दूसरा मामला अन्य पहलवानों द्वारा दर्ज आरोपों से संबंधित है। बृजभूषण शरण सिंह पर लगाए गए आरोपों की जांच दिल्ली पुलिस कर रही है, लेकिन एक माह से अधिक समय बीत जाने के बाद भी एसआईटी को कोई ऐसा सबूत नहीं मिला है, जिनसे बृजभूषण पर लगाए आरोप ठोस तरीके से साबित हो रहे हों। खैर अब पुलिस व सरकार की जिम्मेदारी है कि मामले को जन्द-जल्द सुलझाकर दोषियों को सजा व पीड़ितो न्याय मिले।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

सामूहिक प्रयासों से ही बचेगी धरती

ज्ञानेन्द्र रावत

असल में आज दिन-ब-दिन नियंत्रण से बाहर हो रही मानवीय गतिविधियों के कारण दुनिया पर्यावरण व जलवायु असंतुलन की मार झेलने को विवश है। सर्वविदित है कि ग्लोबल वार्मिंग के लिए जीवाश्म ईंधन सर्वाधिक जिम्मेदार है। यह भी कि साल 2021 की तुलना में 2022 में दुनिया में कोयले का उपयोग तेजी से बढ़ा है। पर्यावरण असंतुलन, जलवायु अस्थिरता और प्रकृति द्वारा मानवीय गतिविधियों के प्रत्युत्तर में उपजी चुनौतियां गंभीर हैं। ऐसे में हमें पेड़ों के अंधाधुंध कटान पर अंकुश लगाना होगा। दुनियाभर में बीते तीस सालों में 6.68 लाख हेक्टेयर जंगल काटे जा चुके हैं। एनर्जी ट्रांसमिशन कमीशन ने यह साबित कर दिया है। पेड़ कटान रोककर हम कार्बन डाईआक्साइड का दुष्प्रभाव कम कर सकते हैं। इस दिशा में ब्राजील का उदाहरण गंभीर चेतावनी है। वहां के उत्तर-पूर्वी राज्य के बुरिटिकपुआ शहर में शहरी नियोजन की कमी व बेतहाशा जंगल कटाई का दुष्परिणाम जमीन फटने के रूप में सामने आया।

करीब 200 देशों ने मांट्रियल में गत दिसंबर में हुए सीओपी-15 शिखर सम्मेलन में दुनिया भर में जीवों और पौधों की प्रजातियां को जलवायु परिवर्तन के खतरों से बचाने और अब तक हो चुके नुकसान की भरपाई के लिए कनमिंग-मांट्रियल समझौते को स्वीकृति दी थी। मकसद था कि दुनिया हरी-भरी और चहकती रहे। यह भी कि हमें बीमारियों से बचना है तो जैव विविधता को सहेजना होगा। इस हकीकत को नजरअंदाज करना गलती होगी कि इंसान और प्रकृति एक ही तंत्र के दो पहलू हैं और एक दूसरे पर आश्रित भी। प्रकृति इंसान की भोजन, जल, औषधि, स्वच्छ हवा सहित मूलभूत जरूरतों की पूर्ति करती है, ऐसे में प्रकृति भी इंसान से अपेक्षा करती है कि वह उसके नैसर्गिक स्वरूप में दखलंदाजी न करे। लेकिन इंसान ने अपने भौतिक सुखों की ख़ातिर पर्यावरण के साथ छेड़छाड़ की जिससे इंसान, जल, जंगल और जीवों के बीच दूरी बढ़ती गयी। जंगल कटान के कारण वन्य जीवों के प्राकृतिक पर्यावास नष्ट हुए तो वे सीधे मानव के संपर्क में आने को विवश हुए। जानवरों के वायरसों का इंसान में संक्रमण शुरू हुआ। खेती, भूमि भी इस प्रकोप से अछूती नहीं। दरअसल सीओपी-15 सम्मेलन का मकसद था कि पृथ्वी के सभी जीवनदायी घटक सुरक्षित, स्वस्थ और आनंदित रहें। जैव विविधता के संतुलन के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए मानव-वन्यजीव संघर्षों को कम करना बेहद जरूरी है। लेकिन हम भूल जाते हैं कि जैव विविधता समृद्ध बनाने, खाद्य शृंखला सुचारु रखने व स्वस्थ पारिस्थितिकीय तंत्र की स्थापना में वन्यजीवों की अहम भूमिका है। इनके साथ संघर्ष की अपेक्षा सह-अस्तित्व का भाव विकसित करना ही प्रकृति हित में है। इस समझौते की तुलना जलवायु परिवर्तन पर 2015 में हुए पेरिस समझौते से की गयी है जिसमें वैश्विक औसत तापमान बढ़ोतरी को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक रोकने की दिशा में कदम उठाने पर सहमति बनी थी।

पर्यावरण नुकसान इंटरनेट के बढ़ते उपयोग से भी हो रहा है। इंटरनेट के ज्यादा इस्तेमाल और मोबाइल संख्या में बढ़ोतरी से पर्यावरण में कार्बन डाइआक्साइड तेजी से बढ़ब रही है। एक अध्ययन के अनुसार समूची दुनिया में हर रोज करीब 35 लाख ईमेल भेजे जाते हैं जिससे 14 मीट्रिक टन कार्बन का उत्सर्जन हो रहा है। एक बिजनेस ईमेल यूजर हर साल करीब 135 किग्रा कार्बन डाईआक्साइड उत्सर्जन करता है। यह एक कार को लगभग 300 किलोमीटर तक चलाने से होने वाले उत्सर्जन के बराबर है। इंटरनेट उपयोग वृद्धि से पर्यावरण में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन सालाना 4 फीसदी बढ़ रहा है।

दुनिया में तापमान वृद्धि से अर्बन

हीट स्ट्रेस यानी शहरी बढ़ोतरी हो रही है। बता दें, 55 फीसदी आबादी दुनियाभर में शहरों में रहती है। इस साल फरवरी की गर्मी ने तो पिछले 17 साल का रिकार्ड तोड़ ही दिया है। आगामी 5 साल में जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग के कारण लू का प्रकोप और पड़ेगा।

चिकित्सा क्षेत्र में यह एक बड़ी चुनौती सुपरबग है। जलवायु परिवर्तन से इसके विकराल होने की संभावना जतायी जा रही है। इससे हर साल करीब 12.5 लाख लोग मौत के मुंह में चले जाते हैं। सुपरबग पर मौजूदा एंटीबायोटिक दवाएं काम नहीं करती हैं। यह चुनौती और बढ़ जाती है जब जलवायु लक्ष्यों को लेकर वैश्विक लक्ष्यों के साथ चलने का दावा करने वाली विश्व की 24 बड़ी कंपनियों की प्रगति संतोषजनक नहीं पायी गयी। एक अध्ययन में खुलासा हुआ है कि इनकी जलवायु रणनीतियां अपर्याप्त हैं।

बचपन को पटरी पर लाने की दरकार

नरेश कौशल

आज के इस भागदौड़ भरे जीवन में संवेदनाएं दम तोड़ रही हैं, संस्कार और सहनशीलता तिरोहित होते जा रहे हैं।?पश्चिमी संस्कृति और बाज़ारवाद की होड़ ने मानो इंसानियत को अपने पंजों में जकड़ लिया हो। फिर भी आज अगर दुनिया के तमाम देशों में भारतीय मूल के युवा शीर्ष पदों पर अपनी प्रतिभा के झंडे गाड़ रहे हैं तो कहना न होगा कि इस सफलता के मूल में वे तमाम हमारे पारिवारिक संस्कार ही हैं जिनकी पुष्टि आज पश्चिमी देशों के वैज्ञानिक अपने शोध में कर रहे हैं। इसका कारण स्पष्ट है कि प्रकृति के साथ जीना, परिवार का संबल और आध्यात्मिक ऊर्जा हमें मुश्किल हालात में जूझने की ताकत देते रहे हैं। मगर यदि हमने अपने संस्कारों और नैतिक मूल्यों की दरुतगामी गिरावट को न रोका तो प्रतिभा के झंडों को भी झुकने से रोकना कठिन हो जायेगा।

यह प्रकृति के साथ जीने और परिवार के संबल का ही परिणाम है जो कठिन परिस्थितियों में भी जूझने की आध्यात्मिक ऊर्जा देते हैं। परंतु ऐसे मूल्यों के पतन स्वरूप आज परिवारों के बिखराव और वृद्धाश्रमों के प्रसार की चिंताजनक स्थिति बनती जा रही है। दरअसल, संवेदनहीनता और असहनशीलता के बीज बाल-मन में तब से ही आरोपित होने शुरू हो गये हैं जब से संयुक्त परिवारों में दरारें पड़ने लगी हैं। मगर क्या हमने सोचा है कि परिवार आखिर क्यों बिखर रहे हैं? दरअसल, इस बिखराव के बीज बचपन के धरातल पर ही पाये जाने लगे हैं। बदलाव के इस संक्रमणकालीन दौर का सबसे ज्यादा असर बच्चों पर है। उनका दादा-दादी और नाना-नानी से जुड़ाव न के बराबर हुआ तो फिर वे भविष्य में अपने मां-बाप की भी अनदेखी करने लगे। मोबाइल पर ज्यादा लगे रहने के कारण वे जिंदगी की हकीकत से उदासीन हो गये। उनमें मानवीय संवेदनाएं कम हुई हैं। कभी हमने सोचा कि अमेरिका में लगातार बच्चों द्वारा अपने सहपाठियों को बार-बार बंदूक- गोली से उड़ाने की घटनाएं क्यों हो रही हैं? भारत के कई नामी स्कूलों में भी अब सहपाठियों की हत्या करने की खबरें आ रही हैं। हम क्यों इस खतरे की घंटी को महसूस नहीं कर रहे हैं।

बड़ा संकट यह है कि बच्चों में स्वाभाविक बचपन खत्म हो रहा है। कहने को तो वे इंटरनेट और मोबाइल से जुड़कर हाईटैक हुए हैं मगर अपनी जड़ों से कटे हैं। अपने आसपास से बेखबर हैं। अपनों से दूर हैं। बदलती कुदरत से अनजान हैं। रिश्तों से बेखबर हैं। उनके पैरों तले की वो जमीन खिसक रही है जिस पर खड़े होकर पुरानी पीढ़ियां अपना भविष्य संवारती थीं। आये दिन घंटों ऑनलाइन गेम-कार्टून देखने वाले बच्चे ही कार्टून बन रहे हैं। वे उस ताकत को खो रहे हैं जो बड़े होकर संघर्ष की ताकत देती थी। एक घटना आईना दिखाती है। पिछले दिनों तब हंगामा मचा जब हिमाचल में एक विधायक ने एक ग्रामीण प्राइमरी स्कूल के बच्चों से अपने देश का नाम पूछा तो वे नहीं बता पाये। इस खबर से शिक्षा विभाग में खलबली मच गई। हलचल दिल्ली तक हुई और इस बात पर मंथन हो रहा है कि खोट कहां रह गयी। ये हालात क्यों पैदा हुए? क्या टीचर दोषी हैं? अभिभावक दोषी हैं? या ?वो आबोहवा जो आज बच्चों में आभासी दुनिया का इतना नशा भर देती है कि उन्हें अपनी जमीन का पता तक नहीं होता।

अब हरियाणा सरकार के शिक्षा विभाग ने इस दिशा में एक रचनात्मक पहल की है। गर्मियों की छुट्टियों में किताबी होमवर्क देने के बजाय व्यावहारिक जीवन संवारने के लिये होमवर्क दिया जा रहा है। शिक्षक व अभिभावकों के तालमेल से इन छुट्टियों के लिये बेहद उपयोगी रोड मैप बनाया गया है।

यह पक्की बात है कि यदि पूरे देश में ये कोशिशें सिरे चढ़ें तो हम विद्यार्थियों की गर्मियों की छुट्टियों को जीवन संवारने के अवसर में बदल सकते हैं। इसके लिये जरूरी है कि उन्हें उबाऊ व किताबी होमवर्क न दिया जाये। बल्कि इस बार व्यावहारिक जीवन का होमवर्क दिया जाये। ताकि बच्चे अपने परिवार, रिश्तों, रिवायती जीवन शैली, आसपास के माहौल, हमारे रोजमर्रा के जीवन में काम आने वाली वस्तुओं, खानपान की चीजों व परंपरागत जीवन शैली से परिचित हो सकें। आज बच्चों को मां-बाप व टीचर के बजाय मोबाइल कंपनियों के सूत्रधार ज्यादा ज्ञान दे रहे हैं। पहले तो 'ब्ल्यू व्हेल' जैसे एक ऑनलाइन गेम का खतरा था जो बच्चों का जीवन लील रहा था, आज तो हजारों 'ब्ल्यू व्हेल' जैसे कार्यक्रम हैं।

चिंताजनक है कि आज बड़ों के साथ बच्चों की भी याद करने की क्षमता कम हो रही है। कभी हमें तमाम मोबाइल नंबर याद रहते थे। मोबाइल के साथ लैंडलाइन के भी। आज इक्का-दुक्का नंबर ही याद रहते हैं। क्यों न बच्चों को परिवार व रिश्तेदारों के नंबर याद करना सिखाएं। बच्चे फास्ट फूड के बजाय स्वास्थ्यवर्धक और पौष्टिक खाना सीखें। उन्हें अंकुरित अनाज खाना सिखाया जाये ताकि उन्हें इस जीवनी शक्ति का लाभ जीवन में लगातार मिल सके। बच्चे प्रकृति से जुड़ सकें, इसके लिये प्रयास किये जाएं। प्रकृति के हर पल के बदलाव को महसूस करें। बच्चों को फसलों व फलों के पौधों के उगने और फल आने की प्रक्रिया के बारे में बताया जाये। वे गमलों में रोज पानी डालें, पौधों की देखभाल करें। इससे उन्हें पौधों के विकास की जानकारी मिल सकेगी। एक समय बच्चों के मानसिक विकास के लिये पहेलियां सिखाने पर जोर दिया जाता था, क्यों न इन छुट्टियों में एक बार फिर नई शुरुआत की जाये। ये सब इस रचनात्मक होमवर्क का हिस्सा है। फिक्र की बात है कि बच्चे आज अपने घर में मौजूद चीजों के बारे में भी नहीं जानते।

एयर कंडीशनर्स में ज्यादा बैठना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक

गर्मी का यह मौसम हमारी सेहत के लिए कई प्रकार से चुनौतीपूर्ण हो सकता है। ज्यादा गर्मी को स्वास्थ्य समस्याओं से जोड़कर देखा जाता रहा है। जिन लोगों को पहले से ही हार्ट डिजीज या डायबिटीज, तंत्रिकाओं की समस्या है उनके लिए बाहर का अधिक तापमान समस्याओं को और भी बढ़ाने वाला हो सकता है। यही कारण है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को गर्मी के इस मौसम में बचाव के उपाय करते रहने की सलाह देते हैं। पर क्या आप गर्मी से बचे रहने के लिए दिन का ज्यादातर समय एयर कंडीशनर (एसी) में बिताते हैं? अगर हां तो सावधान हो जाएं, एसी में भी ज्यादा देर तक रहना आपके लिए कई प्रकार से हानिकारक हो सकता है। अध्ययनों में शरीर के कई अंगों पर इसके दुष्प्रभाव देखे गए हैं। इसके अलावा एसी के साथ कमरे का वेंटिलेशन भी ठीक रखना आवश्यक हो जाता है। वरना यह श्वसन समस्याओं को ट्रिगर करने का कारण बन सकती है, विशेषकर जिन्हें पहले से अस्थमा-ब्रोंकाइटिस जैसी दिक्कतें हैं।

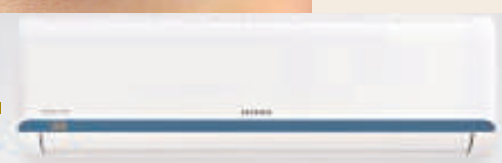

आंखों के लिए नुकसानदायक

एयर कंडीशनर में अधिक समय बिताने का सबसे अधिक दुष्प्रभाव आंखों पर देखा जाता है, ऐसे लोगों में ड्राई आइज की समस्या होने का खतरा हो सकता है। सिर्फ एयर कंडीशनर ही नहीं सर्दियों में हीटर के अधिक इस्तेमाल के कारण भी इसका खतरा हो सकता है। इनसे निकलने वाली हवा आपके आसपास की हवा में नमी की मात्रा को काफी कम कर देती हैं। हमारी आंखों को हाइड्रेटेड और आरामदायक रहने के लिए हवा में नमी की आवश्यकता होती है, यही कारण है कि एयर कंडीशनर के कारण ड्राई आइज की समस्या और इसके कारण होने वाली जटिलताएं बढ़ने लग जाती हैं।

जिन लोगों को पहले से ही हार्ट डिजीज या डायबिटीज, तंत्रिकाओं की समस्या है उनके लिए बाहर का अधिक तापमान समस्याओं को और भी बढ़ाने वाला हो सकता है।

सिक बिल्डिंग सिंड्रोम की समस्या

यदि आप किसी ऐसे वातानुकूलित स्थान पर में काम करते हैं, जहां वेंटिलेशन की व्यवस्था ठीक नहीं है तो यह सिक बिल्डिंग सिंड्रोम के जोखिम को बढ़ा सकती है। इसके कारण आपको सिरदर्द, सूखी खांसी, चक्कर आने और मतली, ध्यान केंद्रित करने में परेशानी, थकान और गंध के प्रति संवेदनशीलता जैसी दिक्कतें होने लगती हैं। जोखिमों को कम करने के लिए फ़िल्टर को नियमित रूप से साफ करें, खिड़कियां खोल कर रखें जिससे बाहर की हवा का प्रवेश हो और अंदर की हवा बाहर जा सके।

बढ़ जाता है डिहाइड्रेशन का खतरा

एयर कंडीशनिंग, कमरे की हवा को ड्राई कर देती है। तापमान कम होने के कारण आपको प्यास कम लगती है जिसके कारण गर्मियों में डिहाइड्रेशन हो सकता है। इसके अलावा एयर कंडीशनिंग के कारण त्वचा के सूखेपन की समस्या भी होने लग जाती है। एयर कंडीशनर चूंकि वातावरण की नमी को कम कर देती है इसके कारण आपकी त्वचा रूखी और खुरदुरी हो सकती है। इस तरह के दुष्प्रभावों से बचाव के लिए एयर कंडीशनिंग का ज्यादा इस्तेमाल न करें। बाहर की हवा के कमरे के प्रवेश को सुनिश्चित करें। डिहाइड्रेशन अल्पकालिक और दीर्घकालिक दोनों प्रकार के असर हो सकते हैं। विशेषतौर पर गर्मी दिनों में डिहाइड्रेशन की समस्या अधिक देखी जाती है, क्योंकि हमारे शरीर से अधिक पसीना निकल जाता है और इस अनुपात में हम पानी नहीं पीते हैं।

हंसना मना है

साली- जीजाजी, आप अगले जन्म में क्या बनना चाहते हैं? जीजा - जी, छिपकली बनूंगा। साली- ऐसा क्यों? जीजा - क्योंकि, आपकी बहन सिर्फ छिपकली से ही डरती है।

टीटू - तुम ऑपरेशन कराए बिना ही हॉस्पिटल से क्यों भाग गए? शीटू - नर्स बार-बार कह रही थी कि डरो मत, हिम्मत रखो, कुछ नहीं होगा.. ये तो बस एक छोटा सा ऑपरेशन है। टीटू- तो इसमें डरने वाली कौन सी बात है? सही तो कह रही थी नर्स। शीटू- वो मुझसे नहीं डॉक्टर से कह रही थी।

यमराज (महिला से) - चलो, मैं तुम्हें लेने आया हूं। महिला - बस दो मिनट दे दो। यमराज - दो मिनट में ऐसा क्या कर लोगी? महिला - फेसबुक पर स्टेटस डालना है, यह सुनकर यमराज ही हो गए बेहोश!

पत्नी के जन्मदिन पर पति ने पूछा- तुम्हें क्या गिफ्ट चाहिए? पत्नी की इच्छा नई कार लेने की थी। उसने इशारों में कहा- मुझे ऐसी चीज लेकर दो जिस पर मेरे सवार होते ही वो 2 सेकेंड में 0 से 80 पर पहुंच जाए। शाम को पति ने उसे वजन कांटा लाकर दे दिया। पत्नी अभी भी बेहोश है।

कहानी — राजा की समझदारी

एक दिन, एक किसान अपने खेत के लिए एक पानी की तलाश कर रहा था, तब उसने अपने पड़ोसी से एक कुआं खरीदा। हालांकि, पड़ोसी बहुत चालाक था। अगले दिन, जैसे ही किसान अपने कुएं से पानी खींचने आया, पड़ोसी ने उसे पानी लेने से मना कर दिया। जब किसान ने पूछा कि क्यों, तो पड़ोसी ने जवाब दिया, मैंने तुम्हें कुआं बेचा है, इसका पानी नहीं और कहकर चला गया। दुखी होकर किसान न्याय मांगने के लिए राजा के पास गया और उन्हें पूरी बात बताई। राजा ने उस किसान के पडोसी को भी बुलवा लिया। राजा ने पड़ोसी से सवाल किया, जब तुमने किसान को अपना कुआं बेच दिया है तो फिर 'तुम किसान को कुएं से पानी क्यों नहीं लेने देते? पड़ोसी ने जवाब दिया, 'महाराज, मैंने किसान को कुआं बेचा लेकिन उसके भीतर का पानी नहीं। उसे कुएं से पानी खींचने का कोई अधिकार नहीं है।' राजा उसे धूर्त पड़ोसी की चालाकी समझ गए। राजा उसे आदेश भी दे सकते थे पर यह राजा को इंसाफ नहीं माना जाता। राजा ने उस पडोसी से कहा, देखो, जब से तुमने कुंआ बेचा है, तुम्हें किसान के कुएं में पानी रखने का कोई अधिकार नहीं है।' या तो तुम किसान को किराया देते रहो, या अपने पानी को तुरंत निकाल लो। यह जानकर कि उसकी योजना विफल हो गई थी, पड़ोसी ने माफी मांगी। उस दिन से किसान ख़ुशी-ख़ुशी अपने खेतों को पानी देने लगा।

कहानी से शिक्षा-कभी किसी के साथ धोकेबाज़ी नहीं करनी चाहिए।

7 अंतर खोजें

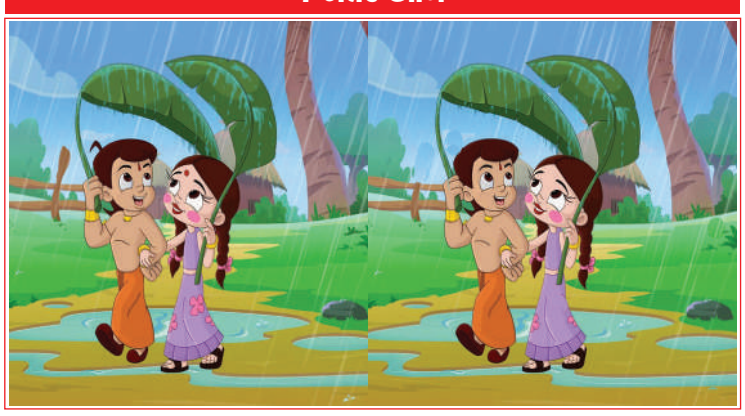

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बन सकता है। स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। कारोबार में वृद्धि होगी।

वृषभ

दु :खद समाचार प्राप्त हो सकता है। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। पुराना रोग उभर सकता है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

मिथुन

प्रयास सफल रहेंगे। पराक्रम वृद्धि होगी। सामाजिक कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा। मान-सम्मान मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेश शुभ रहेगा।

कर्क

दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। घर में अतिथियों का आगमन होगा। प्रसन्नता तथा उत्साह बने रहेंगे।

सिंह

अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। नौकरी में अधिकार वृद्धि हो सकती है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

कन्या

अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। विवाद से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। पुराना रोग उभर सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

तुला

बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में अनुकूलता रहेगी।

वृश्चिक

नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। मान-सम्मान मिलेगा। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में मनोनुकूल लाभ होगा।

धनु

धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल लाभ देंगे। किसी बड़े काम की रुकावट दूर होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

मकर

यात्रा में जल्दबाजी न करें। शारीरिक कष्ट संभव है। पुराना रोग उभर सकता है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। हंसी-मजाक में हल्कापन न हो, ध्यान रखें।

कुम्भ

धनहानि की आशंका है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। थकान व कमजोरी रह सकती है। व्यापार व व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी।

मीन

स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। रोजगार में वृद्धि होगी। आय के नए साधन प्राप्त हो सकते हैं। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

कैंसर होने की खबरों पर भड़के चिरंजीवी, बोले-बकवास मत लिखो

साउथ फिल्मों के सुपरस्टार चिरंजीवी ने उन खबरों पर रिएक्ट किया है, जिनमें कहा जा रहा था कि एक्टर को कैंसर हो गया था और वह इलाज के कारण बच गए। चिरंजीवी ने न सिर्फ इसकी सच्चाई बताई है, बल्कि ऐसी खबरें फैलाए जाने पर नाराजगी भी जाहिर की है। चिरंजीवी ने कहा है कि उन्हें नॉन-कैंसर पॉलिप्स डिटेक्ट हुए थे, जिन्हें निकाल दिया गया है। चिरंजीवी को कैंसर होने की खबर से उनके फैन्स भी टेंशन में आ गए थे। अब चिरंजीवी ने हेल्थ अपडेट दिया है। मालूम हो कि पिछले कुछ समय से ऐसी खबरें आ रही थीं कि चिरंजीवी को कैंसर हो गया है। कुछ दिन पहले चिरंजीवी ने एक कैंसर सेंटर का उद्घाटन किया था। वहां चिरंजीवी ने जो कुछ भी कहा, उसका गलत मतलब निकाल लिया गया। रिपोर्ट्स में दावा किया जाने लगा कि चिरंजीवी अब कैंसर से रिकवर हो गए हैं। चिरंजीवी ने जब खुद को कैंसर होने और इससे रिकवर वाली खबरें पढ़ीं तो उन्हें हैरानी हुई। चिरंजीवी ने अब ट्विटर के जरिए बताया कि उन्हें कैंसर नहीं हुआ था और न ही वह इसकी चपेट में हैं। चिरंजीवी ने लिखा, कुछ समय पहले एक कैंसर सेंटर का उद्घाटन करते वक्त मैंने इस बारे में बात की थी कि कैंसर के बारे में जागरुकता फैलाना जरूरी है। मैंने आपसे कहा था कि अगर आप रेगुलर मेडिकल टेस्ट करवाएं तो कैंसर से बच सकते हैं। मैं अलर्ट था और मैंने कोलोन स्कोप टेस्ट करवाया। मैंने कहा था कि नॉन-कैंसर (जिनमें कैंसर नहीं होता) पॉलिप्स डिटेक्ट हुए थे और उन्हें निकाल दिया गया। मैंने कहा था कि अगर मैं टेस्ट नहीं करवाता तो यह कैंसर बन जाता। इसलिए हर किसी को सावधानी बरतनी चाहिए और टेस्ट करवाने चाहिए। मैंने सिर्फ इतना ही कहा था। चिरंजीवी ने आगे लिखा है, लेकिन कुछ मीडिया ऑर्गनाइजेशन ने इसे ठीक से नहीं समझा और मुझे कैंसर हो गया और मैं इलाज के कारण बच गया जैसे लेख लिख डाले। इससे अनावश्यक भ्रम पैदा हो गया है।

हॉलीवुड में जाने का नहीं कोई विचार : शाहिद कपूर

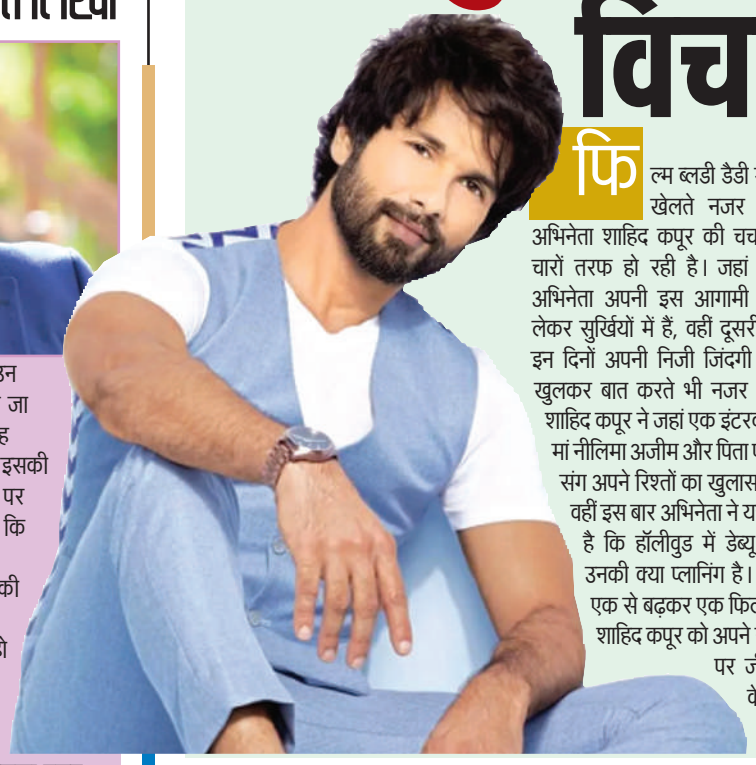

फिल्म ब्लडी डैडी में ब्लड गेम खेलते नजर आने वाले अभिनेता शाहिद कपूर की चर्चा इन दिनों चारों तरफ हो रही है। जहां एक तरफ अभिनेता अपनी इस आगामी फिल्म को लेकर सुर्खियों में हैं, वहीं दूसरी तरफ वह इन दिनों अपनी निजी जिंदगी के बारे में खुलकर बात करते भी नजर आ रहे हैं। शाहिद कपूर ने जहां एक इंटरव्यू में अपनी मां नीलिमा अजीम और पिता पंकज कपूर संग अपने रिश्तों का खुलासा किया था, वहीं इस बार अभिनेता ने यह बता दिया है कि हॉलीवुड में डेब्यू करने की उनकी क्या प्लानिंग है। बॉलीवुड में एक से बढ़कर एक फिल्में देने वाले शाहिद कपूर को अपने रोल को पर्दे पर जीवंत करने के लिए जाना जाता है। अभिनेता की पिछली कुछ फिल्मों में उनकी अदाकारी समीक्षकों से लेकर फैंस तक खूब पसंद आ रही है। जहां एक तरफ शाहिद के अभिनय पर लोग तालियां बजा रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ उनके बयानों पर चौंक भी रहे हैं। जब हाल ही में एक इंटरव्यू में उनसे पूछा गया कि क्या वह हॉलीवुड में डेब्यू करेंगे? इस पर रिएक्ट करते हुए अभिनेता ने साफ इनकार कर दिया। उन्होंने जवाब दिया कि वह दक्षिण सिनेमा की फिल्में साइन करना पसंद करेंगे लेकिन फिलहाल उनका हॉलीवुड में जाने का कोई विचार नहीं है। उनका मन इस समय बॉलीवुड के अलावा सिर्फ और सिर्फ तमिल-तेलुगू फिल्में साइन करने का है। वेस्टर्न फिल्म इंडस्ट्री में अपने डेब्यू के बारे में बात करते हुए शाहिद ने कहा, अभी मुझे हॉलीवुड में ब्रेक मिल गया... ऐसा कुछ भी नहीं है। ऐसा करने के लिए अंदर से एक निश्चित तरह की भावना होनी चाहिए। आपको वैसे करने के लिए प्रेरित, उत्साहित होने की जरूरत है, इसके साथ ही चुनौती भी महसूस करनी चाहिए। अगर ऐसा होगा तो भाषा कभी भी बाधा नहीं होगी। लेकिन भाषा एक वास्तविक चीज है। कुछ लोग चेंज करने में अच्छे होते हैं लेकिन कुछ लोग नहीं। यह आसान नहीं है ऐसा करने के लिए... अगर मुझे मौका मिलता है, तो मैं कहीं भी जाऊंगा। बस मुझे कुछ रोमांचक दें। मैंने अभी ओटीटी किया है। मुझे परवाह नहीं है। शाहिद ने कहा, मैंने यहां 20 साल काम किया है इसलिए मैं अपनी फिल्मों से प्यार करता हूं और मुझे हमारी फिल्में पसंद हैं। मैं यहां बहुत सहज महसूस करता हूं।

बॉलीवुड | मसाला

सत्यप्रेम की कथा का ट्रेलर हुआ रिलीज

कार्तिक-कियारा की केमिस्ट्री ने उड़ाए फैंस के होश

बॉलीवुड स्टार कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी की जोड़ी भूल भुलैया 2 के बाद फिल्म सत्यप्रेम की कथा से दर्शकों का दिल जीतने आ रही है। मूवी की थिएट्रिकल रिलीज में कुछ ही दिन बाकी है। फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया जा चुका है, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। फिल्म सत्यप्रेम की कथा की से कार्तिक एक बार फिर से अपने फैंस के बीच धमाल मचाने को तैयार बैठे हैं। गौरतलब है कि फिल्म मेकर्स ने ट्रेलर से पहले फिल्म का नया पोस्टर रिलीज किया है। कार्तिक ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, आज के बाद तू मेरी रहना। इस ट्रेलर में अभिनेता बेहद ही अलग अंदाज में नजर आ रहे हैं। ट्रेलर में कार्तिक के अभिनय की फैंस जमकर तारीफ भी कर रहे हैं। इस फिल्म के द्वारा कार्तिक और कियारा एक बार फिर साथ में स्क्रीन साझा करते नजर आएंगे। इससे पहले दोनों ने भूल भुलैया 2 में साथ काम किया था। फैंस को तभी से ही इनकी ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री बहुत पसंद है। ट्रेलर में दोनों एक दूसरे के प्यार में खोए नजर आ रहे हैं। ट्रेलर में नजर जा रहा है कि कार्तिक अपनी शादी करने के लिए उतावले हो रहे हैं और लड़कियां ढूंढ रहे हैं। कार्तिक की यह खोज कियारा पर आकर खत्म होती है। आगे चलकर ट्रेलर में कार्तिक और कियारा का बिछड़ाव भी देखने को मिलता है। हालांकि, अगर पूरे ट्रेलर की बात की जाए तो यह फिल्म लव बेस्ड है और इसमें अभिनेता कार्तिक कियारा के साथ जमकर रोमांस करते दिखाई दे रहे हैं। अब फैंस को फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। यह फिल्म 29 जून 2023 को थिएटर्स में रिलीज हो रही है।

अजब-गजब | इस गुड़िया को माना जाता था रहस्यमयी, अचानक से हो जाती थी गायब

इंसानों जैसे करती थी काम

बच्चों को डॉल्स के साथ खेलना बहुत पसंद होता है। छोटे बच्चे डॉल्स को अपने दोस्तों की तरह प्यार करते हैं, लेकिन कई बार ऐसी कहानियां भी सुनने को मिलती हैं जिनमें डॉल्स बच्चों की दोस्त नहीं होती, बल्कि वो इतनी खतरनाक होती हैं जिन्हें देखकर बड़े-बड़ों की रूह कांप जाए। ऐसी ही गुड़िया जिसने इंसानों को खूब डराया। फिल्मों में कई बार आपने भूतिया गुड़ियों को देखा होगा, लेकिन हकीकत में नहीं। लेकिन दुनिया में एक भूतिया गुड़िया है जिसे जिंदा माना जाता है। दरअसल, फिल्म एनाबेल क्रिएशन में इसके बारे में जो दिखाया गया है वो इस गुड़िया की सच्ची कहानी से अलग है। बता दें कि अमेरिकन लेखक जॉनि ग्रूएल ने सबसे पहले अपनी एक रचना में इसका जिक्र किया था। लेकिन सच ये है कि बेहद रहस्यमयी ढंग से ये डॉल उनकी जिंदगी में आई थी। दरअसल, बात उस वक्त की है जब लेखक जॉनि ग्रूएल बच्चों के लिए एक किताब की श्रृंखला की रचना करने जा रहे थे। उन्होंने रेजड़ी अन्न सीरीज नाम की एक किताब के साथ एनाबेले डॉल को मार्किट में लॉन्च किया। डॉल के पीछे छुपी अनोखी कहानी ने लोगों को इसे जानने के लिए मजबूर कर दिया। बात उस वक्त की है जब जॉनि ग्रूएल को अपनी घर के बैकयार्ड में यह डॉल मिली। जब उनकी बेटी मार्सेला पैदा हुई तो उसी डॉल से वो हर वक्त खेलती रहती थी। जॉनि ने जब अपनी बेटी को डॉल के साथ खेलते हुए देखा तो उन्हें रेजड़ी अन्न स्टोरीज लिखने का आइडिया आया। लेकिन 13 साल की उम्र में ही उनकी बेटी मार्सेल की मौत हो गई। उसकी मौत का कारण संक्रमित टीका बताया गया। मार्सेला की मौत के बाद जब रेजड़ी अन्न स्टोरीज को मार्केट में लाया गया तब उस डॉल का मॉडल भी बुक के कवर पेज पर छापा गया। ये मार्सेला को श्रद्धांजलि देने के कारण ही लॉन्च किया गया था। लेकिन मार्सेला की मौत के बाद असली एनाबेले डॉल जिससे मार्सेला खेला करती थी, वो अचानक घर से कहीं गायब हो गई। जिस रहस्यमयी ढंग से ये डॉल उस घर में आई थी ठीक वैसे ही वो वहां से लापता हो गई। किसी को नहीं पता था कि वह गुड़िया कहां गई। मार्सेला ने उसके बारे में पता लगाने की काफी कोशिश भी की लेकिन उसका पता नहीं चला और फिर एक दिन वो असली डॉल एक एंटीक शॉप में मिली। बताया जाता है कि 1970 में डोना नाम की एक नर्सिंग स्टूडेंट को उसकी मां ने ये डॉल गिफ्ट की थी। लेकिन डोना ने डॉल को पाने के बाद से ही उसमें कुछ अजीब चीजें नोटिस की। डोना ने देखा की डॉल अपने आप ही पोजीशन चेंज कर रही थी। कभी-कभी डोना डॉल को एक रूम में रखके कहीं बहार जाती थी तो वापस लौटने पर वह डॉल उसे वहां नहीं मिलती थी। तलाशने पर उसे वो गुड़िया घर के किसी दूसरे कोने मिलती। एक दिन डोने ने कमरे में लौटने के बाद देखा की डॉल के हाथ और पीठ पर खून के धब्बे लगे हुए हैं। ये सब देख वो बुरी तरह कांप गई। डोना को समझ आ गया कि उसके साथ कुछ बुरा हो रहा है।

यहां बंदी बनाई गई हजारों साल पुरानी लाशें, कैदी की तरह रहने को मजबूर ममियां

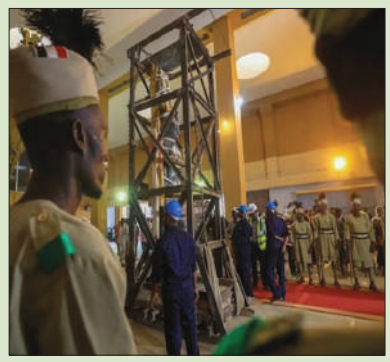

किसी भी देश में पॉलिटिकल स्थिरता की काफी जरुरत होती है। अगर राजनितिक उठापटक हो जाए तो देश के हालत बिगने लगते हैं। इन दिनों ऐसी ही अस्थिरता से गुजर रहा है सूडान। इस देश पर पार्लियामेंट्री फाइटर्स अपना हक जताने के लिए लगातार अटैक कर रहे हैं। अब रैपिड सपोर्ट फोर्सेज के सदस्यों ने यहां के म्यूजियम से कई ममियां चुरा ली है। इन ममियों की उम्र कई हजार साल पुरानी है। कुछ तो 2500 बीसी के हैं।
यानी आज से 4522 साल पहले की। इन ममियों को बेहद सावधानी से हैंडल करने की जरुरत पड़ती है। इनकी स्टडी के बाद उस दौर की कई जानकारियां सामने आती हैं। इन ममियों को सावधानी से म्यूजियम में रखा गया था। लेकिन सत्ता को लेकर चल रही खींच-तान के बीच कुछ लोगों ने ममियों को कैद कर लिया है। इसके बाद से इतिहासकारों की जान सांसत में है। इन ममियों से कई इन्फॉर्मेशन मिल सकती हैं। लेकिन अगर इन्हें ठीक से नहीं रखा गया तो ये खराब होने के साथ टूट भी सकती हैं। ऐसी हालत में धरोहर का ही नुकसान होगा। बता दें कि सूडान में इन दिनों हालात ठीक नहीं हैं। पिछले सात हफ्ते से देश में ऋस्स्र आर्मी से सत्ता हथियाने के लिए जंग लड़ रहा है। इसी दौरान आंदोलनकारियों ने म्यूजियम पर धावा बोल दिया। ये म्यूजियम नील नदी के किनारे बना है। यहां लूटपाट के दौरान ममियों को भी कैदी बना लिया गया। ये ममियां सिर्फ इस देश के लिए नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए ख़ास है। इस वजह से इन्हें नुकसान ना पहुंचाने की अपील की गई।

गंगा पर पुल गिरने का मामला हाईकोर्ट पहुंचा

» जनहित याचिका दायर की गई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। भागलपुर में गंगा पर अगुवानी घाट पुल के सुपर स्टक्चर गिरने की घटना के बाद बिहार सरकार पर भाजपा व विपक्ष हमलावर हो गई है। भ्रष्टाचार को लेकर नीतीश कुमार की महागठबंधन सरकार विपक्ष के निशाने पर है। इस बीच मामले को लेकर पटना हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई है।

यह लोकहित याचिका पटना हाईकोर्ट के अधिवक्ता मणिभूषण सेंगर द्वारा दायर की गई है। उन्होंने अपनी याचिका में कहा कि भ्रष्टाचार, घटिया निर्माण सामग्री और निर्माण कंपनी के घटिया कार्य से यह पुल दोबारा ध्वस्त है। ये पुल 1700 करोड़ रुपए की लागत से बन रहा था। उन्होंने कोर्ट को इस मामले की जांच स्वतंत्र एजेंसी से कराये जाने की गुहार की है। साथ ही मांग की है कि पुल का निर्माण कर रही कंपनी को ब्लैकलिस्ट कर जिम्मेदार और दोषी लोगों से इस क्षति की वसूली की जाये। इधर, सीएम नीतीश और डिप्टी सीएम तेजस्वी सहित सहित महागठबंधन के बड़े नेता कह रहे हैं कि पुल का डिजाइन ही ठीक नहीं था जिसके कारण यह बार-बार गिर रहा था। बिहार सरकार में पर्यावरण मंत्री और राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव ने तो भाजपा को इसका कसूरवार ठहराया है।

हम बनाते हैं, भाजपा गिराती है : तेज प्रताप

तेज प्रताप कहा कि यह ब्रिज भाजपा ने गिराया है। पर्यावरण मंत्री ने कहा कि हम पुल बना रहे हैं और भाजपा इसे गिरा रही है। इससे पहले डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने कहा था ये पुल पहली बार नहीं गिरा, अप्रैल 2022 में भी यह निर्माणाधीन पुल गिरा था। इसके डिजाइन में ही फॉल्ट था।

ये नीतीश बाबू का भ्रष्टाचार मॉडल: प्रशांत किशोर

इधर भागलपुर की घटना को लेकर जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने नीतीश कुमार पर हमला बोला। प्रशांत किशोर ने कहा कि नीतीश बाबू का भ्रष्टाचार मॉडल। भागलपुर-खगड़िया के बीच गंगा नदी पर बन रहा यह पुल दूसरी बार गिरा है। सीएम साहब कहते हैं कि पुल मजबूती से बनना चाहिए था। अब नीतीश बाबू के इस बयान पर क्या कहेंगे? प्रशांत किशोर ने कहा कि भ्रष्टाचार की बात हो तो बिहार का कोई व्यक्ति ये नहीं कहेगा लालू यादव ईमानदार हैं। लालू के लोग किसी भ्रष्टाचार में शामिल नहीं हैं। पीके ने कहा कि सीएम नीतीश कुमार को हमने खुली चुनौती दी है कि अगर उनमें दम है तो वे कैमरे के सामने एक लाइन बोल दें- लालू और उनके परिवार के लोग भ्रष्टाचार में शामिल नहीं हैं। इसके बाद वे जो कहेंगे मैं मानने के लिए तैयार हूं।

अभी भी जारी है मणिपुर में हिंसा, इंटरनेट पर प्रतिबंध 10 जून तक बढ़ा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंफाल। मणिपुर सरकार ने हिंसा प्रभावित राज्य में शांति और सार्वजनिक व्यवस्था की गड़बड़ी को रोकने के प्रयास में इंटरनेट और डेटा सेवाओं पर प्रतिबंध को तत्काल प्रभाव से पांच दिनों के लिए और बढ़ा दिया है।

मणिपुर सरकार द्वारा जारी नए आदेशों की घोषणा की गई। जिसमें राज्य में इंटरनेट सेवाओं के निलंबन को पांच दिनों यानी 10 जून की दोपहर 3 बजे तक के लिए और बढ़ा दिया गया है। 3 मई को ऑल ट्राइबल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ मणिपुर (एटीएसयूएम) की एक रैली के बाद मणिपुर में हिंदू मेइती और आदिवासी कूकी, जो ईसाई हैं, उनके बीच हिंसा भड़क उठी थी।

पिछले एक महीने से पूरे राज्य में हिंसा की स्थिति है और केंद्र सरकार को स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए अर्धसैनिक बलों को तैनात करना पड़ा है। राज्य में शांति बहाल करने के लिए सेना और असम राइफल्स के करीब 10 हजार जवानों को तैनात किया गया है। इससे पहले मणिपुर के इंफाल पश्चिम जिले में सोमवार सुबह हथियारबंद लोगों के दो समूहों के बीच हुई गोलीबारी में तीन लोगों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए. पुलिस ने बताया कि यह घटना जिले के कांगचुप इलाके में हुई। उन्होंने बताया कि घायलों को इंफाल के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है. पुलिस ने बताया कि कांगचुप जिले के सेरोउ में दो समूहों के बीच हुई गोलीबारी में चार लोग घायल हो गये।

उत्तर प्रदेश में बूंदा-बांदी के आसार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जेठ खत्म हो गया पर मौसम की अठखेली जारी है। कही गर्मी की कहर जारी है तो कहीं आंधी-तूफान व बारिश से लोग परेशान है। आषाढ़ का महीना शुरू हो चुका है। ऐसी गर्मी में मौसम की आंख मिचौली जारी है। गर्मी, धूप और बारिश की वजह से मौसम लगातार बदल रहा है। मौसम विभाग ने दिल्ली और उत्तर प्रदेश को लेकर मौसम की जानकारी दी है।

» दिल्ली-एनसीआर में भी अलर्ट

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, मंगलवार को उत्तर प्रदेश के कासगंज, गंजडुंडवारा, एटा और मैनपुरी के इलाकों में बारिश और बूंदाबांदी की संभावना जताई है। दिल्ली-एनसीआर में बीती रात बारिश हुई। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि अगले पांच दिन में तापमान 40 डिग्री पार हो जाएगा। मौसम विभाग ने जानकारी दी है कि नौ से 11 जून तक आसमान में बादल छाए रहेंगे। इस दौरान 20 से 30 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चलेगी। दिल्ली एनसीआर के लोगों को गर्मी से राहत मिलेगी। मौसम विभाग के अनुसार, सोमवार को अधिकतम तापमान सामान्य से दो डिग्री कम 37.8 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री कम 24.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

उर भारत में 25 जून तक पहुंचेगा मानसून

आईएमडी के अनुसार, चार जून को मानसून केरल पहुंचा है। अब यहां दो से चार दिन मानसून को पहुंचने में लगेंगे। सोमवार को जानकारी देते हुए कहा कि अरब सागर में एक कम दबाव का क्षेत्र बन गया है, जो अब उत्तर दिशा में बढ़ रहा है। इसका गंभीर असर मानसून के केरल के तट की ओर बढ़ने पर होगा। इसके बाद 10 जून को महाराष्ट्र तक पहुंचेगा। गुजरात में 20 जून और अन्य इलाकों में 25 जून तक मानसून के पहुंचने की संभावना है। दिल्ली और उत्तर प्रदेश समेत उत्तर भारत में 25 जून तक पहुंच जाएगा।

आंधी से प्रदेश में गई कई की जान

सोमवार की सुबह से दोपहर तक तीखी धूप से परेशान राजधानी के लोगों को शाम को चली तेज झोंकेदार हवा ने गर्मी से राहत दी। हालांकि हवा के बाद चली आंधी शहर में कई नुकसान भी कर गई। यूपी की राजधानी लखनऊ में सोमवार को दोपहर तेज आंधी की वजह से इकाना स्टेडियम में लगा भारी भरकम यूनीपोल एक गाड़ी पर गिर गया और मां-बेटी की दबकर मौत हो गई।मौसम विभाग ने मंगलवार को बूंदाबांदी के बावजूद तापमान बढ़ने के आसार जताए हैं। वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक के मुताबिक, उत्तरी पाकिस्तान में पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता और उत्तर पूर्व राजस्थान और आसपास चक्रवातीय परिसंचरण के कारण मौसम में बदलाव हुआ है। इस दौरान दिन का तापमान में 1.3 डिग्री की कमी आई पारा 38.7 डिग्री और रात का पारा 26.4 डिग्री दर्ज हुआ।

अब नई जर्सी में दिखेगी टीम इंडिया

» वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की तैयारी जोरों पर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सात जून से 11 जून तक वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल मुकाबला खेला जाना है। इंग्लैंड के लंदन स्थित ओवल स्टेडियम में होने वाली इस चैंपियनशिप के लिए टीमें जोरदार तैयारियां करने में जुटी हुई है। इस बेहद ही खास मुकाबले में भारत और ऑस्ट्रेलिया की टीमें नई जर्सी पहने हुए नजर आएंगी।

खास मुकाबले के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम और भारतीय टीम के लिए नई जर्सी को लॉन्च कर दिया गया है। इस नई जर्सी में भारतीय टीम ने खास फोटोशूट भी करवाया है जो बेहद शानदार है। भारतीय टीम की नई जर्सी पर आईसीसी डब्ल्यूटीसी फाइनल 2023 लिखा हुआ है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 7-11 जून तक महामुकाबला यानी वर्ल्ड टेस्ट चैपिंयन का फाइनल लंदन के ओवल स्टेडियम में खेला जाएगा। इस खास मुकाबले के लिए एक नई जर्सी लॉन्च की गई है। जिसको पहनकर टीम इंडिया के खिलाड़ियों ने धमाकेदार फोटोशूट करवाया। इस जर्सी पर आईसीसी डब्ल्यूटीसी फाइनल 2023 लिखा हुआ है। कप्तान रोहित शर्मा, स्टार क्रिकेटर विराट कोहली, स्टार ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा समेत टीम इंडिया के बाकी खिलाड़ियों का धांसू फोटोशूट हुआ है, जिसकी तस्वीरें बीसीसीआई ने शेयर की हैं।

जमकर पसीना बहा रही भारतीय टीम

भारतीय टीम इन दिनों इंग्लैंड के लंदन पहुंचने के बाद लगातार ग्राउंट पर चैंपियनशिप के लिए जोरदार प्रैक्टिस करने में जुटी हुई है। इस चैंपियनशीप को जीतने के लिए टीम के खिलाड़ी मैदान पर जमकर पसीना बहाते दिख रहे है। बता दें कि ये दूसरी बार है जब भारतीय टीम ने लगातार चैंपियनशिप के फाइनल मुकाबले में जगह बनाई है। इससे पहले वर्ष 2019-21 में भी इस लीग के संस्करण के दौरान भारतीय टीम फाइनल तक पहुंचने में सफल हुई थी। हालांकि इस मुकाबले में भारतीय टीम को न्यूजीलैंड से मात खानी पड़ी थी।

ओवल पर भारत का रिकॉर्ड

आंकड़ों के अनुसार भारत ने लंदन के ओवल में कुल 14 मुकाबले खेले है। इन मुकाबलों में भारत को दो टेस्ट मुकाबलों में जीत और पांच में हार मिली है। वहीं ओवल के मैदान पर खेले गए सात मुकाबले ड्रॉ पर खत्म हुए है। बता दें कि भारतीय टीम ने इस ग्राउंड पर पहली बार वर्ष 1936 को इंग्लैंड के खिलाफ ही मुकाबला खेला था। इस मुकाबले में भारतीय टीम को नौ विकेट से मात खानी पड़ी थी। ओवल के मैदान पर भारतीय टीम को सबसे पहले 1971 में जीत मिली थी। भारतीय टीम ने इस मैच में इंग्लैंड को दूसरी पारी में 101 रन पर ऑलआउट किया था। भारतीय टीम ने इस मुकाबले में चार विकेट शेष रहते हुए शानदार जीत हासिल की थी।

मौत की होर्डिंग के लिये जिम्मेदार अफसरों पर कब होगी कार्रवाई?

» इकाना स्टेडियम की होर्डिंग से हुआ हादसा, मां-बेटी की मौत

» इकाना प्रशासन ने होर्डिंग लगाने वाली कंपनी ओरिजिंस को दिया नोटिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ की एक मां-बेटी सरकार के प्रचार-प्रसार से जुड़े विभाग के भ्रष्टाचार का शिकार हो गईं। ये दोनों अपनी गाड़ी से सोमवार की शाम इकाना स्टेडियम के पास से जा रही थी तभी आंधी की वजह से वहां लगी यूनीपोल के उनकी कार पर गिर जाने से इन दोनों की मृत्यु हो गई। इस घटना के बाद तुरंत राहत कार्य शुरू कर दिया गया। अब इस घटना के बाद रस्म अदाएगी की जाएगी परंतु सवाल अब भी यही की इस घटना की जिम्मेदार कौन! और दोषियों पर कार्रवाई कब होगी।

हालांकि सबको मालूम है कि इसके लिए जिम्मेदार प्रदेश में सूचना विभाग है जबकि राजधानी में नगर निगम । ये दोनों ही विभाग प्रचार-प्रसार से जुड़े काम देखते हैं। गौरतलब हो कि प्रदेश में सूचना विभाग सीएम के पास ही है। ये दोनों ही विभाग ये निर्धारित करते हैं कि कौन सी होर्डिंग कहां लगेगी। पर अमूमन इनकी लापरवाही का नतीजा देखने को मिलता रहता है और ऐसी दुर्घटनाएं होती रहती है। सरकार कारवाई होगी कहकर पल्ला झाड़ लेती हैं। मामले की गंभीरता इससे भी लगाायाा जा सकता कि इस पर कई बार हाईकोर्ट ने भी महकमों को फटकार लगाई है पर विभाग हैं कि कुछ ध्यान ही नहीं देते हैं।

अफसरों के संरक्षण में होता है गोरख-धंधा

सूत्रों की माने तो इन होर्डिंग लगाने वालों को अफसरों का संरक्षण प्राप्त है। ये उनको रिश्वत के रूप में बड़ी रकम पहुंचाते हैं और मनमाने तरीके व अपनी पसंद की जगह पर ये यूनीपोल या होर्डिंग लगा कर बड़ा मुनाफा कमाते हैं उसका कुछ हिस्सा वह अफसरों को भी देते हैं। यूपी में ज्यादातर होर्डिंग लगाने का काम ओरिजिंस कंपनी को दी गई है। उसी कंपनी ने स्टेडियम के बाहर होर्डिंग लगाई थी।

बेटी को घुमाने निकली थी मां

लखनऊ के इकाना स्टेडियम के बाहर लगा यूनीपोल सोमवार की शाम एक स्कॉर्पियो पर गिर गया था, वहीं इस हादसे में प्रीति जंगी और उनकी बेटी ऐंजल की मौत हो गई थी। इसके साथ ही कार का ड्राइवर मो. सरताज घायल है, वहीं इस मामले में ड्राइवर के भाई ने सुशांत गोल्फ सिटी में इकाना प्रशासन के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। वहीं मृतकों के परिजनों को 10 लाख रुपए देने के निर्देश दिए जबकि हादसे में घायलों को 5 लाख रुपए देने को कहा गया। इसके बाबत जानकारी देते हुए एडीसीपी शशांक सिंह ने बताया कि लापरवाही से किसी की मौत होने की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है, इसकी जांच की जा रही है। पुलिस ने आगे जानकारी देते हुए बताया कि प्रीति जंगी बेटी ऐंजल को घुमाने के लिए निकली थी, वह इंदिरा नगर में रहती थीं। तभी इकाना स्टेडियम के पास लगा बड़ा होर्डिंग उनकी स्कॉर्पियो पर गिर गया। इस घटनासे जुड़ा एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें यूनीपोल से दबी गाड़ी के अंदर से ड्राइवर हाथ हिलाकर मदद मांगता हुआ नजर आ रहा है। इंदिरानगर सी ब्लॉक निवासी प्रीति जग्गी (38) सोमवार शाम को अपनी बेटी एंजेल (15) को लेकर स्कॉर्पियो से घूमने निकली थीं। एसयूवी खुर्रमनगर निवासी सरताज खान चला रहे थे। घूमते फिरते वह इकाना स्टेडियम के पास से गुजर रहे थे। तभी स्टेडियम परिसर के भीतर गेट नंबर एक व दो के बीच में लगी होर्डिंग एसयूवी पर गिर गई। तीनों लोग मलबे में दब गए। हादसा देख राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। कुछ ही देर में पुलिस, दमकल की टीम और फिर एसडीआरएफ के जवान मौके पर पहुंचे। करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद एक एक कर तीनों को बाहर निकाला। पुलिस ने तीनों को लोहिया अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने बताया कि प्रीति व एंजेल की पहले ही मौत हो चुकी है। सरताज के सिर व शरीर में तीन चार जगह गहरी चोटें आई हैं।

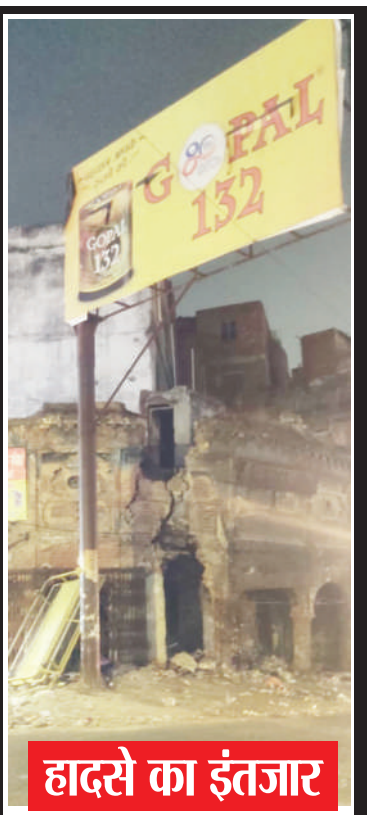

हादसे का इंतजार

24 घण्टे चलने वाली रोड अमीनाबाद गोईन रोड चौराहे पर लगयी गयी प्रचार की होर्डिंग पूरी तरह से जर्जर पड़ी बिल्डिंग उसी के बगल में खड़ा कर दिया पोल मौत को दावत देता नगर निगम द्वारा लगया गया होर्डिंग पोल इतने दर्दनाक हादसे के बाद भी नहीं जाग रहा है नगर निगम

हल्की हवा से ही गिरी होर्डिंग

होर्डिंग बहुत बड़ी थी। लोहे के बड़े बड़े एंगल पर वह टिकी थी। जिस वक्त हादसा हुआ उस दौरान हल्की हवाएं चल रही थीं। इसलिए पुलिस प्रशासन के अफसर भी हैरान है कि न तेज आंधी तूफान आया न कोई ऐसा कार्य वहां चल रहा था, जिससे होर्डिंग गिर जाए। बड़ी लापरवाही की आशंका है। जब जांच होगी तब सभी तथ्य सामने आ सकेंगे।

फोरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल की जांच की

हादसे के बाद फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर छानबीन की। सभी तथ्य जुटाए। प्रशासन के अफसर भी मौजूद रहे। एलडीए और नगर टीम के अफसरों ने अपने अपने स्तर से जांच पड़ताल शुरू की है कि आखिर हादसे के पीछे की वजह क्या है। इन विभागों की टीमें भी मौके पर पहुंची।

इकाना प्रशासन पर एफआईआर दर्ज, लगाई गईं मामूली धाराएं

इस घटना के बाद इकाना स्पोर्ट्स सिटी के मैनेजिंग डायरेक्टर उदय सिन्हा पर भी सवाल उठ रहा है। ये होर्डिंग स्टेडियम परिसर में कई महीनों से लगी हुई है। अभी पिछले महीने वहां पर आईपीएल के मुकाबले हुए थे। मैच के दौरान हजारों लोग वहां पहुंच रहे थे। ये हादसा अगर उस समय होता तो शायद कई लोगों की जान चली जाती। हादसे में देर रात घायल सरताज के भाई की तहरीर पर सुशांत गोल्फ सिटी थाने में इकाना प्रशासन पर एफआईआर दर्ज की गई। एडीसीपी साउथ शशांक सिंह के मुताबिक तहरीर के आधार पर धारा 304ए (लापरवाही से किसी की मौत हो जाना) व एक अन्य धारा 338(ऐसा काम करना जिससे मानव जीवन खतरे में पड़ जाए)। हालांकि गैर इरादतन हत्या की धारा न लगाकर केस कमजोर दर्ज किया गया है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।